DNDi
Drugs for Neglected Diseases *initiative*

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय वैज्ञानिक उपेक्षित बीमारियों के लिए नए इलाजों के शोध एवं विकास के प्रयासों को उत्प्रेरित कर रहे हैं

उपेक्षित रोगियों के लिए जरूरी नए इलाजों को विकसित एवं सुलभ कराने के लिए अनुसंधान एवं विकास, पहुंच एवं क्षमता सुदृढ़ीकरण में भारत की वर्तमान एवं भावी भूमिका पर विचार–विमर्श करने के लिए नई दिल्ली में 100 से अधिक वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं का सम्मेलन

नई दिल्ली – 14 अक्टूबर 2008 – ड्रग्स फॉर नेग्लेक्टिड डिजीसेस *इनीशिएटिव* (DND*i*) - एक स्वतंत्र, लाभनिरपेक्ष उत्पाद विकास साझेदारी – उपेक्षित बीमारियों के लिए नए जीवनरक्षक इलाज सुलभ कराने के लिए भारत और पूरी दुनिया में बाकी देशों के सामने मौजूद नाजुक चुनौतियों का निवारण करने के लिए पूरे भारतीय अनुसंधान एवं विकास स्पैक्ट्रम से भारतीय स्वास्थ्य नेताओं, मुख्य वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं, और औषधि विकास विशेषज्ञों को एक साथ एकत्रित कर रही है।

एक साल में एक अरब से अधिक व्यक्ति किसी एक उपेक्षित उष्मकटिबंधीय बीमारी से प्रभावित होते हैं जो भारत सहित दुनिया के सबसे गरीब क्षेत्रों पर हमला करती हैं। मलेरिया, विस्रल लैशमानियासिस (कालाजार), छगस रोग और निद्रा रोग – DND*i* की लक्ष्यबद्ध बीमारियां – के वर्तमान इलाज इन उपेक्षित रोगियों के लिए ज्यादातर अप्रभावी, अत्यधिक विषाक्त, उन्हें ग्रहण करना कठिन है या वहनक्षम नहीं है।

DND*i* के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, बर्नाड पीकौल का कहना है, *"उपेक्षित बीमारियों से संघर्ष में एक मुख्य अग्रणी भूमिका निभाता है। DNDi के 30% से अधिक अनुसंधान एवं विकास कार्य भारत में संपन्न होते हैं और इसमें जल्दी पता लगाने से लेकर रोग–लक्षणीय परीक्षण और रोगियों के लिए अप थ्रू एक्सेस की परियोजनाएं शामिल हैं।"*

सार्वजनिक संगोष्ठी में इलाज विकसित करने और भारत में रोगियों की जरूरतों का निवारण करने के अनुभवों को तलाशा जा रहा है। प्रतिष्ठित पैनल अनेक विषयों पर विचार–विमर्श कर रहा है जैसे पिछले 5 सालों में DND*i* की गतिविधियों का अपडेट, भारत में अनुसंधान एवं विकास का बदलता हुआ दृश्य और उपेक्षित बीमारियों पर उसका प्रभाव, तथा एक भीतरी व्यक्ति के नजरिये से भारत में उपेक्षित बीमारियों के लिए नई सोच सुलभ कराने में अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र के परिप्रेक्ष्य।

DND*i* इंडिया का संक्षिप्त परिचय

DND*i* के संस्थापक सदस्य, **भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR)**, की सहायता के साथ DND*i* ने 2005 में भारत में एक क्षेत्रीय सहायता कार्यालय खोला था ताकि DND*i* की गतिविधियों, अर्थात दो बीमारियों मलेरिया और विस्रल लैशमानियासिस (VL) के क्षेत्र में सहायता एवं विश्लेषण किया जा सके। ये दोनों रोगों की भारत में अत्यधिक व्याप्ति है और सरकारी अनुमानों के अनुसार हर साल 30 लाख से अधिक भारतीयों को प्रभावित करते हैं। शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और औषधि विकास विशेषज्ञों के साथ

नजदीकी नेटवर्क के अलावा DND*i* इंडिया उपेक्षित बीमारियों के रोगियों की हिमायत में अपनी भूमिका को सुदृढ़ बनाने और उनके कष्ट के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए अनेक पहलें करता है। कृपया अधिक जानकारी के लिए http://www.dndiindia.org का अवलोकन करें।

DND*i* का संक्षिप्त परिचय

ड्रग्स फॉर नेग्लेक्टिड डिजीसिस *इनीशिएटिव* (DND*i*) एक स्वतंत्र, लाभनिरपेक्ष उत्पाद विकास साझेदारी है जो लैशमानियासिस, निद्रा रोग, छगस रोग और मलेरिया जैसे उपेक्षित बीमारियों के लिए नए एवं बेहतर इलाजों का शोध एवं विकास कर रही है। 2003 में DND*i* की स्थापना भारत, मलेशिया, केन्या और ब्राजील से चार सार्वजनिक–वित्तपोषित अनुसंधान संस्थानों ने इंस्टीट्यूट पास्चर और MSF के साथ मिलकर की थी। इन रोगों के लिए रोगियों की अधूरी जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य के साथ DND*i* ने काइनैटोप्लास्टिड रोगों के लिए अभी तक का सबसे बड़ा अनुसंधान एवं विकास पोर्टफोलियो विकसित किया है। कृपया अतिरिक्त जानकारी के लिए http://www.dndi.org का अवलोकन करें।

उपेक्षित उष्मकटिबंधीय रोगों का परिचय

मलेरिया, लैशमानियासिस, लसीकीय फिलेरियासिस, छगस रोग, मानवीय अफ्रीकी ट्राईपैनोसोमियासिस (निद्रा रोग), डेंगू बुखार और स्कीस्टोमियासिस जैसे उष्मकटिबंधीय रोग पूरी दुनिया में उल्लेखनीय अस्वस्थता और मौतों का कारण बनते हैं। ज्यादातर उपलब्ध इलाज पुराने, अप्रभावी, अत्यधिक विषाक्त, उन्हें ग्रहण करना कठिन है या वहनक्षम नहीं हैं। सामूहिक रूप से "उपेक्षित रोग" कहलाने वाले इन अपंगकारी और/या प्राणघातक संक्रमणों को नए चिकित्सा इलाजों के लिए पर्याप्त अनुसंधान एवं विकास संसाधन नहीं मिल पाते हैं और एक चिरकालिक अधूरी चिकित्सा जरूरत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें :

श्री. फैसल अब्बासी – इम्प्राईमिस लाइफ पीआर @ 09891172750
ईमेल: mabbasi@imprimispr.com

सुश्री. मानसी अरोड़ा – इम्प्राईमिस लाइफ पीआर @ 09312354240
ईमेल: marora@imprimispr.com

###